चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29-3-26	02	7-8

कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने देशभर में प्राप्त किया दूसरा स्थान

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने कृषि विश्वविद्यालयों में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाएं रखने में कामयाब हुआ है। यह जानकारी हकृवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वभर के उच्च शिक्षण संस्थानों का एक विश्वसनीय और व्यापक मूल्यांकन है। इसमें विश्वविद्यालयों का आकलन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, शोध गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया जाता है।

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हकृवि की लगातार बढ़ रही उपलब्धियां: हकृवि की हालिया उपलब्धियां इसकी उत्कृष्टता को और भी सशक्त बनाती हैं। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) द्वारा ए ग्रेड प्रदान किया गया है, जो कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उसकी उच्च गुणवत्ता को प्रमाणित करता है। इसके अतिरिक्त, जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

विज्ञानियों ने इन क्षेत्रों में दिया बेहतर योगदान

शोध के क्षेत्र में हकृवि ने उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने फसल सुधार, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संसाधन संरक्षण और जलवायु-स्मार्ट कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भविष्य की योजनाएं तय

भविष्य की योजनाओं के तहत हकृवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में हकृवि की यह उपलब्धि उसके समर्पण, उत्कृष्टता और कृषि क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का सशक्त प्रमाण है। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे हरियाणा और देश के लिए गर्व का विषय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-3-26	01	1-4

सिटी एंकर

क्यूएस वर्ल्ड विवि रैंकिंग में एचएयू को 301-350 रैंकिंग

एचएयू का कृषि में देश में दूसरा स्थान

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाए रखने में कामयाब हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुनने में मदद करती है।

जानें, संस्थान को इन मानकों पर परखते हैं

- **शैक्षणिक प्रतिष्ठा :** शिक्षा और शोध की गुणवत्ता।
- **रोजगार क्षमता :** यहां के छात्रों को मिलने वाले करियर के अवसर।
- **शोध पत्र गुणवत्ता :** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित शोध कार्यों का प्रभाव।
- **संकाय-छात्र अनुपात :** बेहतर शिक्षण के लिए शिक्षकों और छात्रों का उचित समन्वय।

तकनीकें किसानों के लिए उपयोगी

कृषि एवं वानिकी विषय क्षेत्र में हकृवि ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। एचएयू लंबे समय से उन्नत कृषि तकनीकों के विकास, फसल उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई नई किस्में और तकनीकें किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई हैं।

सामूहिक प्रयास से मिली है रैंकिंग

हकृवि को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग प्राप्त होना यहां के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और विस्तार सेवाओं के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'' – प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-3-26	02	6-8

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में कृषि और वानिकी क्षेत्र में एचएयू को देश में दूसरा स्थान मिला

क्यूएस रैंकिंग 2026 में एचएयू ने 301-350 की श्रेणी में बनाई जगह

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 301-350 की श्रेणी में अपना स्थान इस बार भी बरकरार रखा है। कृषि विश्वविद्यालयों में एचएयू ने कृषि और वानिकी क्षेत्र में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वभर के उच्च शिक्षण संस्थानों का व्यापक मूल्यांकन करती है। इसमें विश्वविद्यालयों का आकलन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, शोध गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक प्रभाव के आधार पर किया जाता है।

एचएयू के स्वर्णिम द्वार की फोटो। स्रोत संस्थान

यह वैश्विक उपलब्धि एचएयू को अंतरराष्ट्रीय सहयोग, छात्र और शोधार्थी विनिमय तथा संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में नए अवसर प्रदान करेगी। इससे विश्वविद्यालय की वैश्विक प्रतिष्ठा और भी बढ़ेगी और देश व दुनिया में उसकी साख मजबूत होगी।

इन उपलब्धियों की बदौलत मिला सम्मान : एचएयू लंबे समय से उन्नत कृषि तकनीकों, फसल उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन से निपटने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के विकास में अग्रणी रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई नई किस्में और तकनीकें किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध हुई हैं। राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) ने एचएयू को ए+ ग्रेड प्रदान किया है। जल संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) में भी विश्वविद्यालय ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29-3-26	04	7-8

क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2026 में हकृवि ने 301-350 रैंकिंग प्राप्त

कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया

हकृवि के स्वर्णिम द्वार की फोटो।

हिसार, 28 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाएं रखने में कामयाब हुआ है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। कुलपति प्रो.काम्बोज ने बताया कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने वाली है। इससे विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय सहयोग, छात्र एवं शोधार्थी विनिमय कार्यक्रमों और संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	29-3-24	03	1-4

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में हिसार कृषि विवि का जलवा

एचएयू को मिला देश में दूसरा स्थान

- वैश्विक स्तर पर 301-350 रैंक में बनाए रखा मजबूत स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाएं रखने में कामयाब हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुनने में मदद करती है। यह रैंकिंग कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और नवाचार को दर्शाती है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के निरंतर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य तथा कृषि क्षेत्र में उसके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वभर के उच्च शिक्षण संस्थानों का एक विश्वसनीय और व्यापक मूल्यांकन है। इसमें विश्वविद्यालयों का आकलन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, शोध गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया जाता है। हकृवि का इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

सामूहिक प्रयासों का परिणाम: कुलपति

वीसी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। -प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	29-3-26	05	3-4

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग हकृवि को 301-350 रैंकिंग, कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान

हिसार, 28 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 301-350 रैंकिंग हासिल कर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। कुलपति प्रो. बलदेव राज़ काम्बोज ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। कुलपति ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने इसे शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और विस्तार सेवाओं के प्रति विश्वविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने हरियाणा सरकार, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का आभार व्यक्त किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (एनएएसी) द्वारा ए+ ग्रेड प्राप्त है और जल संरक्षण व प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय सम्मान भी मिल चुका है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह वैश्विक रैंकिंग विश्वविद्यालय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, छात्र और शोधार्थी विनिमय, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के नए अवसर खोलने वाली है। इससे हकृवि की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुलपति ने वैश्विक मान्यता को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध नवाचार का परिणाम बताया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-3-26	05	4-5

क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2026 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग प्राप्त की : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाएं रखने में कामयाब हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुनने में मदद करती है। यह रैंकिंग कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और नवाचार को दर्शाती है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के निरंतर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य तथा कृषि क्षेत्र में उसके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और विस्तार सेवाओं के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने हरियाणा सरकार, राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, जिनके समर्थन से विश्वविद्यालय निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वभर के उच्च शिक्षण संस्थानों का एक विश्वसनीय और व्यापक मूल्यांकन है। इसमें विश्वविद्यालयों का आकलन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, शोध गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	29.03.2026	--	--

कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया

क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2026 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग प्राप्त : प्रो. बी.आर. काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 29 मार्च : कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाए रखने में कामयाब हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुनने में मदद करती है। यह रैंकिंग कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और नवाचार को दर्शाती है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के निरंतर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य तथा कृषि क्षेत्र में उसके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों,

कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और विस्तार सेवाओं के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने हरियाणा सरकार, राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, जिनके समर्थन से विश्वविद्यालय निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वभर के उच्च शिक्षण संस्थानों का एक विश्वसनीय और व्यापक मूल्यांकन है। इसमें विश्वविद्यालयों का अकादमिक शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, शोध गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया जाता है। हकृवि का इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

कृषि एवं वानिकी विषय क्षेत्र में हकृवि ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ किया है। यह उपलब्धि कृषि अनुसंधान, नवाचार और किसान-केन्द्रित गतिविधियों में विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता को दर्शाती है। एचएयू लंबे समय से उन्नत कृषि तकनीकों के विकास, फसल उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई नई किस्में और तकनीकें किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई हैं।

एचएयू की हालिया उपलब्धियां इसकी उत्कृष्टता को और भी सशक्त बनाती हैं। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) द्वारा ए+ ग्रेड प्रदान किया गया है, जो कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उसकी उच्च गुणवत्ता को प्रमाणित करता है। इसके अतिरिक्त, जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) में भी विश्वविद्यालय ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और देश के प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाए रखा है।

शोध के क्षेत्र में हकृवि ने उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने फसल सुधार, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संसाधन संरक्षण और जलवायु-स्मार्ट कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि उनका सीधा लाभ किसानों और ग्रामीण समुदायों तक पहुंच रहा है। इसके साथ ही, विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग कर अपने शोध कार्यों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है।

विश्वविद्यालय की विस्तार सेवाएं भी इसकी सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार हैं। हकृवि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों और वैज्ञानिक खेती के तरीकों की जानकारी प्रदान कर उन्हें सशक्त बना रहा है। कृषि मेलों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में ज्ञान का प्रसार कर रहा है, जिससे किसानों की आय बढ़ने और कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में सहायता मिल रही है।

यह वैश्विक उपलब्धि एचएयू के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने वाली है। इससे विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय सहयोग, छात्र एवं शोधार्थी विनिमय कार्यक्रमों और संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, इससे विश्वविद्यालय की वैश्विक प्रतिष्ठा में और वृद्धि होगी, जिससे अधिक संख्या में विदेशी विद्यार्थी और शोधकर्ता आकर्षित होंगे।

भविष्य की योजनाओं के तहत हकृवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में हकृवि की यह उपलब्धि उसके समर्पण, उत्कृष्टता और कृषि क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का सशक्त प्रमाण है। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे हरियाणा और देश के लिए गर्व का विषय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	29-3-26	09	1-4

आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं

■ हकृवि में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। फोटो:हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि नागरिक अस्पताल से वैध (डॉ.) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन शरीर, मन और प्रकृति पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। वात, पित्त, कफ के संतुलन को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया।

वैद्य सूरज भान ने दिनचर्या ठीक करने पर दिया बल

कुलपति ने कार्यक्रम में प्रकाशनों एवं औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल आधारित उत्पादों का भी विमोचन किया। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम मे वैद्य सूरज भान ने भी आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किए तथा अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया।अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में चल रही शोध एवं विस्तार गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश कुमार गोयल, औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य, वैज्ञानिक डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रवि बेनीवाल, डॉ. विपन कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार, भूपेंद्र सिंह आदि रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-3-26	02	1-4

मंथन

एचएयू में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

आयुर्वेद जीवन के समग्र संतुलन पर आधारित वैज्ञानिक पद्धति

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में पुस्तक का विमोचन करते प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है। यह जीवन के समग्र संतुलन-शरीर, मन और प्रकृति-पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग होना चाहिए।

यह बात उन्होंने एचएयू में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य कही। उन्होंने कि टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उनकी बढ़ती बाजार मांग को पूरा करने के लिए किसानों को उन्नत उत्पादन तकनीक को अपनाना चाहिए। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, तनावपूर्ण जीवनशैली और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच आयुर्वेद की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति और स्वस्थ पृथ्वी एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे, तो हमारा स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में प्रकाशनों एवं औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल आधारित उत्पादों का भी विमोचन किया। इस मौके पर प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। वैध सूरज भान ने भी अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया।

आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट की ओर से प्रायोजित इस कार्यक्रम में नागरिक अस्पताल आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-3-26	05	1-2

हकृवि में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 28 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि सिविल हस्पताल से वैध (डॉ) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन-शरीर, मन और प्रकृति-पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। वात, पित्त, कफ के संतुलन को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.3.26	2	5-6

हकृवि में एकदिवसीय कार्यशाला

औषधीय पौधों की फसलों को अपनाने के लिए किया प्रेरित

हकृवि में औषधीय, सुगंधित व संभावित फसलों की खेती को लेकर आयोजित कार्यशाला में मौजूद अतिथि व आयोजक।

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग और सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि, जबकि सिविल हस्पताल से वैध (डॉ.) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग और उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम मे वैध सूरज भान ने भी आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किए तथा अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	28.03.2026	--	--

हकृवि में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि सिविल हस्पताल से वैध (डॉ) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन—शरीर, मन और प्रकृति—पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। वात, पित्त, कफ के संतुलन

को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, तनावपूर्ण जीवनशैली और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच आयुर्वेद की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति और स्वस्थ पृथ्वी एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे, तो हमारा स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने सभी से आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कुलपति ने कार्यक्रम में प्रकाशनों एवं औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल आधारित उत्पादों का भी विमोचन किया। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम मे वैध सूरज भान ने भी आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किए तथा अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में चल रही शोध एवं विस्तार गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य ने औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों पर कविता के माध्यम से अपने विचार साझा किए, वहीं विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक खेती तकनीकों एवं मूल्य संवर्धन के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सक्रिय भागीदारी की और विशेषज्ञों के साथ खेती की विधियों, फसल प्रबंधन एवं आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की गई। किसानों को कृषि साहित्य, उपकरण, बीज एवं औषधीय पौधों की रोपण सामग्री भी वितरित की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश कुमार गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ भूपेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में औषधीय अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रवि बेनीवाल, डॉ. विपन कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागों एवं अनुभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।